**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**23.03.2018 के**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 3339 का उत्‍तर**

**बिहार और झारखंड से आने-जाने के लिए रेल बर्थ**

**3339. श्री नरेश गुजरालः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बिहार और झारखंड से आने-जाने के इच्छुक यात्रियों की ओर से रेल बर्थ की भारी मांग है; और

(ख) इस मांग को पूरा करने के लिए और अधिक रेलगाड़ियां शुरू करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्‍तर**

**रेल मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

1. : राज्‍यवार आंकड़े नहीं रखे जाते हैं। बहरहाल, भारतीय रेलों पर मांग का पैटर्न वर्ष भर समान नहीं रहता है और यह व्‍यस्‍त तथा कम व्‍यस्‍त सीजन में अलग-अलग रहती है। यात्रा की मांग गर्मी की छुट्टियों, त्‍यौहारों आदि जैसे व्‍यस्‍त सीजन के दौरान खासतौर पर बढ़ जाती है। वित्‍त वर्ष 2017-18 (फरवरी 2018 तक) के दौरान भारतीय रेलों पर सभी आरक्षित गाडि़यों में समग्र आक्‍यूपेंसी 100% से ज्‍यादा रही।
2. यात्रियों की यात्रा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय रेल नई गाडि़यां चलाती है, मौजूदा गाडि़यों को विस्‍तारित किए जाते हैं/उनके फेरे बढ़ाए जाते हैं/उनमें डिब्‍बों की संख्‍या बढ़ाई जाती है, जो एक सतत प्रक्रिया है। इसके अतिरिक्‍त, त्‍यौहारों, छुट्टियों आदि के दौरान भारतीय रेल द्वारा यात्रियों की अतिरिक्‍त भीड़-भाड़ को संभालने के लिए विशेष गाडि़यां चलाई जाती हैं और अस्‍थाई तौर पर गाडि़यों में डिब्‍बों को भी बढ़ाया जाता है।

\*\*\*\*\*\*